GOVERNMENT DEGREE COLLEGE ARTS AND COMMERCE,ADILABAD

DEPARTMENT OF HINDI

Academic year 2021-2022

STUDENT STUDY PROJECT

TOPIC -ANTARJAAL (INTERNET) SHABDAVALI

Sl NOM	H.T.NOM	Name of the participant	Group/year
1	049211417	Goharkar nandini	BA-II
2	049211216	Gayakwad nandu	BA-II
3	049211423	Gouri sharma	BA-II
4	049211255	Md.Saddam	BA-II
5	049221622	Munde vithal	BA-I

Principal

Principal (FAC)
Govt. Degree College Arts & Commerce
ADILABAD-(T.S.)

Name of the mentor

Dr.M.Santhosh kumar

Assist.Prof.Of Hindi

Government degree college Arts& Commerce ,Dist.Adilabad

Dpartment of Hindi Jignasa Student Study Project-2021-2022

Topic: Internet &Shabdavalli

अंतरजाल (इंटरनेट)

ने विगत कुछ वर्षों में काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है, वहीँ ये एक बहुत ही महत्वपूर्ण means of communication के रूप में उभरा है. ये शब्द Internet निकला हुआ है दो शब्दों से जो की हैं Interconnection और Networks. लेकिन यहाँ पर समझने वाली बात ये है की क्या आप समझते हैं **इन्टरनेट की परिभाषा** को. क्यूंकि लोगों को Internet इस्तमाल करना तो आता है लेकिन वो इसका मतलब नहीं समझते हैं. ये तो फिर ऐसी बात हुई की आप खाना तो खाते हैं लेकिन क्या खाते है उनके विषय में आपको कोई जानकारी नहीं है.

अन्तरजाल का इतिहास

इस लेख में सन्दर्भ या स्रोत नहीं दिया गया है।

कृपया विश्वसनीय सन्दर्भ या स्रोत जोड़कर इस लेख में सुधार करें। स्रोतहीन सामग्री ज्ञानकोश के उपयुक्त नहीं है। इसे हटाया जा सकता है। (सितंबर 2014)

सर्वप्रथम 1962 में विश्वविद्यालय के जे सी आर लिकलिडर ने अभिकलित्र जाल तैयार किया था।

वे चाहते थे कि अभिकलित्र का एक एसा जाल हो, जिससे आंकड़ो, क्रमादेश और सूचनायें भेजी जा सके। 1966 में डारपा (मोर्चाबंदी प्रगति अनुसंधान परियोजना अभिकरण) (en:DARPA) ने आरपानेट के रूप में अभिकलित्र जाल बनाया। यह जाल चार स्थानो से जुडा था। बाद में इसमें भी कई परिवर्तन हुए और 1972 में बॉब काँहन ने अन्तर्राष्ट्रीय अभिकलित्र संचार सम्मेलन ने पहला सजीव प्रदर्शन किया। 1 जनवरी 1983 को आरपानेट (en:ARPANET) पुनर्स्थापित हुआ TCP-IP। इसी वर्ष एक्टीविटी बोर्ड (IAB) का गठन हुआ।नवंबर में पहली प्रक्षेत्र नाम सेवा (DNS) पॉल मोकपेट्रीज द्वारा सुझाई गई। अंतरजाल सैनिक और असैनिक भागों में बाँटा गया।।|| हालाँकि 1971 में संचिका अन्तरण नियमावली (FTP) विकसित हुआ, जिससे संचिका अन्तरण करना आसान हो गया। 1990 में टिम बर्नर्स ली ने विश्व व्यापी वेब (WWW) से परिचित कराया

अमरीकी सेना की सूचना और अनुसंधान संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 1973 में ``यू एस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी'' ने एक कार्यक्रम की शुरुआत की। उस कार्यक्रम का उद्देश्य था कम्प्यूटरों के द्वारा विभिन्न प्रकार की तकनीकी और प्रौद्योगिकी को एक-दूसरे से जोड़ा जाए और एक `नेटवर्क' बनाया जाए। इसका उद्देश्य

संचार संबंधी मूल बातों (कम्यूनिकेशन प्रोटोकॉल) को एक साथ एक ही समय में अनेक कम्प्यूटरों पर नेटवर्क के माध्यम से देखा और पढ़ा जा सके। इसे ``इन्टरनेटिंग प्रोजेक्ट'' नाम दिया गया जो आगे चलकर `इंटरनेट' के नाम से जाना जाने लगा। 1986 में अमरीका की ``नेशनल सांइस फांउडेशन'' ने ``एनएसएफनेट'' का विकास किया जो आज इंटरनेट पर संचार सेवाओं की रीढ़ है। एक सैकण्ड में 45 मेगाबाइट संचार सुविधा वाली इस प्रौद्योगिकी के कारण `एनएसएफनेट' बारह अरब -12 बिलियन- सूचना पैकेट्स को एक महीने में अपने नेटवर्क पर आदान-प्रदान करने में सक्षम हो गया। इस प्रौद्योगिकी को और अधिक तेज गति देने के लिए `नासा' और उर्जा विभाग ने अनुसंधान किया और ``एनएसआईनेट'' और `ईएसनेट' जैसी सुविधाओं को इसका आधार बनाया।

इन्टरनेट हेतु `क्षेत्रीय' सहायता कन्सर्टियम नेटवर्कों द्वारा तथा स्थानीय सहायता अनुसंधान व शिक्षा संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। अमरीका में फेडरल तथा राज्य सरकारों की इसमें अहम भूमिका है परन्तु उद्योगों का भी इसमें काफी हाथ रहा है। यूरोप व अन्य देशों में पारस्परिक अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग व राष्ट्रीय अनुसंधान संगठन भी इस कार्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 1991 के अन्त तक इन्टरनेट इस कदर विकसित हुआ कि इसमें तीन दर्जन देशों के 5 हजार नेटवर्क शामिल हो गए, जिनकी पहुंच 7 लाख कम्प्यूटरों तक हो गई। इस प्रकार 4 करोड़ उपभोक्ताओं ने इससे लाभ उठाना शुरू किया।

इन्टरनेट समुदाय को अमरीकी फेडरल सरकार की सहायता लगातार उपलब्ध होती रही क्योंकि मूल रूप से इन्टरनेट अमरीका के अनुसंधान कार्य का ही एक हिस्सा था। आज भी यह अमरीकी अनुसंधान कार्यशाला का महत्त्वपूर्ण अंग है किन्तु 1980 के दशक के अन्त में नेटवर्क सेवाओं व इन्टरनेट उपभोक्ताओं में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व वृद्धि हुई और इसका इस्तेमाल व्यापारिक गतिविधियों के लिये भी किया जाने लगा। सच तो ये है कि आज की इन्टरनेट प्रणाली का बहुत बड़ा हिस्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थानों एवं विश्व-स्तरीय निजी व सरकारी व्यापार संगठनों की निजी नेटवर्क सेवाओं से ही बना है।

इंटरनेट से संबंधित शब्दावली

हेलो दोस्तो *TechnicalRpost* में आपका स्वागत है ! आज हम आपके के लिए लाए हैं इंटरनेट से संबंधित Words और उनके Full Form जो कि आप शायद ही जानते होगें । यह सभी शब्द का उपयोग आम तौर पर बहुत उपयोग किया जाता है और हम सब भी यूज करते हैं लेकिन इसका सही मतलब नहीं जानते हैं, ऐसे प्रश्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पूछे जाते हैं इसलिए इसको जानना जरूरी है, तो आइए जानते हैं इन शब्दों का सही अर्थ—

Protocol– यह एक ऐसी मानक औपचारिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कम्प्यूटर नेटवर्क में अंकीय संचार किया जाता है।
Browser– यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जिसकी मदद से यूजर सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट में प्रवेश करता है।

Web Server– यह प्रोग्राम वेब ब्राउजर के द्वारा संसाधनों को प्राप्त करने के लिए यूजर द्वारा दिए गए अनुरोध को पूरा करता है।

Network– कई सिस्टमों को एक साथ जोड़कर बनाए गए संजाल को नेटवर्क क हते हैं। इसके द्वारा एक साथ कई जगहों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना संभव है।

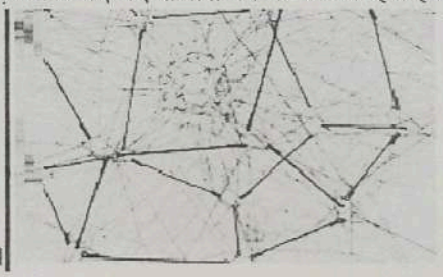

On line– जब यूजर इंटरनेट पर जान-करियों व सेवाओं का अध्ययन करता है। तब कहा जाता है कि यूजर ऑन लाइन है।
Home page– यह किसी भी साइट का शुरूआती प्रदर्शित पेज है। जिसमें सूचनाएं हाईपरलिंक द्वारा जोड़ी जाती है।

Off line- इसमें यूजर इंटरनेट में मौजूद सूचनाओं को अपने अपने सिस्टम में संग्रहित कर इंटरनेट संपर्क काट देता है।
Hyper Text Mark-up Language (HTML)– इसका प्रयोग वेब पेज बनाने में किया जाता है। शुरूआत में इसका प्रयोग वेब पेज डिजाइन करने में किया जाता था।
Hyper Text Transfer Protocol (HTTP)– इसका प्रयोग एचटीएमएल में संगृहित दस्तावेजों व दूसरे वेब संसाधनों कों स्थानांतरित करने में किया जाता है।
TCP / IP– इसका प्रयोग सूचनाओं के आदान-प्रदान में किया जाता है।

Internet Protocol (IP) – IP का फुल फॉर्म इंटरनेट प्रोटोकॉल होता है।
Uniform Resource Locator (URL)– इसका प्रयोग वेब पर किसी विशेष सूचना को संचालित करने में किया जाता है।
Web Page– होम पेज पर बने हाइपर लिंक पर क्लिक करने पर जो पेज हमारे सामने प्रस्तुत होता है, उसे वेब पेज कहते हैं।
Website– वेब पेजों के समूहों को वेबसाइट कहते हैं। जिसमें आडियो, वीडियों, इमेजेस का समावेश होता है।
Hyper link– वेब पेज में मौजूद वे विशेष शब्द या चित्र जिस पर क्लिक करने पर उस शब्द या चित्र से सम्बंधित एक अलग वेब पेज पर आ जाती है। उसे वेब पेज को हाइपर लिंक कहते है।
Download– इंटरनेट या किसी अन्य कंम्प्यूटर से प्राप्त सूचनाओं को अपने कम्प्यूटर में एकत्रित करना डाउनलोड कहलाता है।

Upload– अपने कम्प्यूटर से किसी अन्य कम्प्यूटर में सूचनाएं भेजना अपलोड कहलाता है। जैसे ई-मेल भेजना।
Server– वह कम्प्यूटर जो इंटरनेट प्रयोग करने वाले सिस्टम को सूचनाएं प्रदान करने की क्षमताएं रखता है, सर्वर कहलाता है।
Surfing- इंटरनेट के नेटवर्कों में अहम सूनचाओं को खोजने का काम सर्फिंग कहलाता है।
Internet Address–इंटरनेट में प्रयुक्त एड्रेस के मूलभूत हिस्से को डोमेन कहा जाता है। इंटरनेट से जुड़े हर कम्प्यूटर का एक अलग डोमेन होता है। जिसे डोमेन नेम सिस्टम कहते हैं। जिसे 3 भागों में बांटा जा सकता है।